संक्षिप्त विवरण : राष्ट्रीय समर स्मारक

राष्ट्रीय समर स्मारक
National War Memorial

इतिहास के पन्नों से

- **इंडिया गेट :** प्रथम विश्व युद्ध तथा तृतीय आंग्ल-अफगान युद्ध में शहीद हुए भारतीयों की याद में, वर्ष 1931 में दिल्ली में प्रतिष्ठित इंडिया गेट का निर्माण करवाया गया था। लगभग 83,000 शहीद भारतीयों में से 13,516 के नाम इंडिया गेट के चारों तरफ उत्कीर्ण हैं। नई दिल्ली आनेवाले पर्यटक इस स्मारक का भ्रमण अवश्य ही करते हैं।

- **अमर जवान ज्योति** : 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत की जीत के उपलक्ष्य में तथा अपने प्राणों का बलिदान करने वाले हमारे वीर सैनिकों के प्रति, राष्ट्र की श्रद्धांजलि के तौर पर जनवरी 1972 में इंडिया गेट की मेहराब के नीचे, अमर जवान ज्योति के साथ उल्टी राइफल पर हेलमेट स्थापित किया गया। तब से यथोचित अवसरों पर, अमर जवान ज्योति पर देशी-विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की जाती है।

- **आजादी के बाद के युद्धों में सशस्त्र सेनाओं की शहादतें :** भारत की आजादी के बाद, भारतीय सशस्त्र सेनाओं को कई संघर्षों से जूझना पड़ा है और उन्होंने देश तथा विदेशों में कई ऑपरेशनों में भाग लिया है। सीमा पार से थोपे जा रहे छद्म युद्ध के कारण हमारा देश निरंतर आतंकवाद-रोधी ऑपरेशनों से जूझ रहा है जिनमें कर्तव्य पालन के दौरान बड़ी संख्या में हमारे सैनिक शहीद होते हैं। इन बलिदानों की याद में देश भर में कुछ स्मारक बनाए गए हैं लेकिन सशस्त्र सेनाओं के पुरूष और महिला सैनिकों के बलिदानों को समर्पित राष्ट्रीय स्तर पर कोई स्मारक अब तक मौजूद नहीं था। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर एक स्मारक की आवश्यकता महसूस की गई।

- **<u>उत्पत्ति</u> :** राष्ट्रीय समर स्मारक के निर्माण की आवश्यकता वर्ष 1961 से विचाराधीन थी। गहन विचार-विमर्श के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 07 अक्तूबर 2015 को इसके निर्माण को अनुमोदन प्रदान किया। नई दिल्ली में 'सी' हेक्सागन पर इंडिया गेट के पूर्व में स्थित छतरी के आस-पास के क्षेत्र को स्मारक निर्माण के लिए उपयुक्त पाया गया।

- **<u>निर्माण की प्रक्रिया</u>** : स्मारक के लिए डिजाइन का चयन करने के लिए 2016 -17 में एक वैश्विक प्रतियोगिता आयोजित की गई। वेबे डिजाइन लैब, (WeBe design Lab) चेन्नई के श्री योगेश चंद्रहासन इस वैश्विक प्रतियोगिता के विजेता बने और उन्हें परियोजना सलाहकार नियुक्त किया गया। सांविधिक प्राधिकरणों से आवश्यक स्वीकृति प्राप्त की गईं। एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई और मैसर्स एनसीसी लि. को संविदा सौंपी गई। रक्षा मंत्रालय की ओर से एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (आई डी एस मुख्यालय) ने परियोजना को क्रियान्वित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 फरवरी 2019 को यह स्मारक राष्ट्र की ओर से सशस्त्र सेनाओं को समर्पित किया गया।

<u>स्मारक और इसका महत्व</u>

- **<u>युद्ध स्मारक</u>** : युद्ध स्मारक एक इमारत, स्मारक, प्रतिमा या कोई अन्य भवन होता है जो किसी युद्ध या विजय का उत्सव मनाने अथवा युद्ध में शहीद या घायल हुए सैनिकों के पुण्यस्मरण में निर्मित किया जाता है। एक युद्ध स्मारक, पर्यटकों को निर्मित स्थल के साथ सचेतन रूप से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है और फिर इसी के माध्यम से वे उस संस्था और व्यक्तियों से जुड़ जाते हैं जिनकी स्मृति में यह बनाया गया है। स्मारक गहन और भावप्रवण अनुभव प्रदान करता है और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन जाता है।

- **<u>आवश्यकता</u>** : स्वतंत्रता के बाद से, भारतीय सशस्त्र सेनाओं के 26,000 से ज्यादा सैनिकों ने देश की प्रभुसत्ता और अखंडता की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया। अतः राष्ट्रीय समर स्मारक, सशस्त्र सेनाओं के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतिनिधित्व करता है। यह स्मारक हमारे नागरिकों में अपनत्व, उच्च नैतिक मूल्यों, बलिदान और राष्ट्रगौरव की भावना को सुदृढ़ करेगा। यह स्मारक स्वतंत्रता के बाद विभिन्न संघर्षों, संयुक्त राष्ट्र ऑपरेशनों, मानवीय सहायता और आपदा राहत तथा बचाव ऑपरेशनों में हमारे सैनिकों के बलिदान का साक्षी रहेगा। यह स्मारक,राष्ट्र के प्रति नि:स्वार्थ सेवा के शानदार उदाहरण के तौर पर, हमारी सशस्त्र सेनाओं की उच्च सैन्य परंपराओं की मिसाल होगा।

संकल्पना

स्मारक परिसर भव्य राजपथ और केंद्रीय वीथी की वर्तमान रूपरेखा तथा सममिति के अनुरूप है। भूदृश्यों की सुंदरता और वास्तुशिल्प की सादगी को महत्व देते हुए परिवेश की गरिमा को बरकरार रखा गया है। परिसर में मुख्य स्मारक के अतिरिक्त राष्ट्र के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार 'परमवीर चक्र' से सम्मानित शूरवीरों की आवक्ष प्रतिमाओं के लिए एक क्षेत्र भी समर्पित है। मुख्य स्मारक का डिजाइन न केवल इस तथ्य को प्रदर्शित करता है कि कर्तव्य निर्वहन के दौरान सर्वोच्च बलिदान करने वाले सैनिक अमर हो जाते हैं बल्कि यह भी दर्शाता है कि एक सैनिक की आत्मा शाश्वत रहती है। स्मारक में निम्नलिखित विशिष्ट वृत्त हैं:-

- **रक्षक चक्र** :

  रक्षक चक्र में घने वृक्षों की पंक्ति किसी भी प्रकार के खतरे से देश के नागरिकों की सुरक्षा का पुनः आश्वासन है जहां प्रत्येक वृक्ष राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता की दिन- रात रक्षा करने वाले बहुत से सैनिकों का प्रतिनिधित्व करता है।

- **त्याग चक्र** :

  वृत्ताकार समकेंद्रीय प्रतिष्ठा दीवारें जो प्राचीन युद्ध व्यूह रचना 'चक्रव्यूह' का प्रतीक हैं। दीवारों में ग्रेनाइट की पट्टिकाएं लगी हैं और सर्वोच्च बलिदान करने वाले प्रत्येक सैनिक को एक ग्रेनाइट पट्टिका समर्पित है और उनके नाम स्वर्णाक्षरों में उत्कीर्ण किए गए हैं।

- **वीरता चक्र** :

  इस आवृत दीर्घा में हमारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा लड़ी गई छह वीरतापूर्ण लड़ाइयों को कांस्य भित्ति-चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

- **अमर चक्र :**

  यहां अमर ज्योति के साथ एक स्मारक स्तंभ है। यह ज्योति शहीद सैनिकों की आत्मा की अमरता का प्रतीक है साथ ही एक आश्वासन कि राष्ट्र अपने सैनिकों के बलिदान को कभी नहीं भुलाएगा।

परम योद्धा स्थल

परम योद्धा स्थल, राष्ट्र के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार 'परम वीर चक्र' (पीवीसी) विजेताओं को समर्पित है और इसे सुनियोजित मार्गों, भूदृश्यों एवं अब तक के सभी 21 परम वीर चक्र विजेताओं की कांस्य निर्मित आवक्ष प्रतिमाओं से डिजाइन किया गया है।

राष्ट्रीय समर स्मारक की विशेषताएं

- **स्थान** : इंडिया गेट के पूर्व में स्थित है और 'सी' हेक्सागन के तीन उद्यानों में 40 एकड़ इलाके पर फैला है।

- **मूलतत्व** :
  - वृक्षों के घेरे से बना रक्षक चक्र।
  - ग्रेनाइट की पट्टिकाओं मे उत्कीर्ण नामों के साथ त्याग चक्र।
  - छह कांस्य भित्तिचित्रों के साथ वीरता चक्र।
  - स्मारक स्तंभ और अमर ज्योति के साथ अमर चक्र।
  - एक सतत सजग सैनिक की प्रतिमा।
  - 21 परम वीर चक्र विजेताओं की आवक्ष प्रतिमाओं के साथ परम योद्धा स्थल।

- **अन्य भाग** :
  - स्मारिका बिक्री केंद्र, गैलरी और जन सुविधा केंद्रों के साथ उत्तरी परिसर।
  - राष्ट्रीय समर स्मारक कार्यालयों और जन सुविधा केंद्रों के साथ दक्षिणी परिसर।
  - जन सुविधा केंद्रों के साथ प्रतीक्षा कक्ष के तौर पर सार्वजनिक प्लाजा।
  - राष्ट्रीय समर स्मारक के चारों तरफ दोहरे फुटपाथ के साथ शहरी गलियारा और पर्याप्त बेंचों की व्यवस्था।

- **राष्ट्रीय समर स्मारक की अभिकल्पना को उभारने के लिए प्रकाश व्यवस्था।**

- **सुविधाएं और सहायता** :
  - दिव्यांगजन अनुकूल।
  - तिलक मार्ग रेडियल में दिव्यांगजन व्यक्तियों के लिए पार्किंग व्यवस्था ।
  - व्हील चेयर।
  - ई-रिक्शा ।

- शहरी गलियारा।
- उद्यान पथ।
- पैदल पथ।
- बेंच।
- पेयजल।
- जन सुविधा केंद्र।
- प्राथमिक सहायता।
- सहायता केंद्र।
- 'स्मारिका' (स्मृति चिह्न बिक्री केंद्र)।
- त्याग चक्र में किसी विशिष्ट उत्कीर्णित ग्रेनाइट पट्टिका को ढूंढने में सहायता के लिए मोबाइल एप्लीकेशन।
- डिजीटल संवादात्मक सूचना पैनल।

- **प्रवेश नि:शुल्क ।**
- **<u>समय</u> :**
  - प्रतिदिन खुला है।
  - कुछ विशेष दिवसों/समय पर प्रवेश प्रतिबंधित।
  - नवम्बर से मार्च - सुबह 09.00 बजे से शाम को 07.30 बजे तक (अंतिम प्रवेश शाम को 07.00 बजे तक)
  - अप्रैल से अक्टूबर - सुबह 09.00 बजे से शाम को 08.30 बजे तक (अंतिम प्रवेश शाम को 08.00 बजे तक)
- प्रतिदिन दर्शकों की लगभग संख्या : कार्यदिवस में 5000 - 10000, छुट्टी के दिन 10000 - 20000।

<u>वर्ष के दौरान गतिविधियां</u>

- **राष्ट्रीय महत्व के दिवसों को मनाने के लिए समारोहिक पुष्पांजलि अर्पित करना।**
- **विदेशों के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करना।**
- **दैनिक गतिविधियां।**
- **प्रतिदिन सूर्यास्त से पहले रिट्रीट**

- पारंपरिक रूप से उस दिन के युद्ध समाप्त होने और काम समाप्त होने का प्रतीक है।
- 32 सेंकंड्स की बिगुल ध्वनि के साथ ध्वज का अवरोहण।
- जो लोग बिगुल ध्वनि की परिधि में उपस्थित हैं वे शांतिपूर्वक सावधान की मुद्रा में रहें।

- रोजाना रिट्रीट सेरेमनी से ठीक पहले (सूर्यास्त से 30 मिनट पहले) एक **शहीद के परिजनो द्वारा पुष्पांजलि**।
- **हर रविवार** को सूर्यास्त से 45 मिनट पहले **समारोहिक गार्ड की बदली** होगी। (समय अवधि 20 मिनट)
  - स्काउट और गाइड, एनसीसी कैडेट्स, राष्ट्रीय अंखडता भ्रमण, स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों इत्यादि द्वारा संगठित भ्रमण।

- **<u>ऐसा करें</u> :**
  - यह एक श्रद्धा स्थान है अत: गरिमापूर्ण और सम्मानजनक व्यवहार करें।
  - केवल निर्दिष्ट मार्ग पर ही चलें।
  - मोबाइल फोन को 'साइलेंट मोड' में रखें।
  - त्याग चक्र की प्रतिष्ठा दीवारों के नीचे फूल रखे जा सकते हैं।
  - अमर चक्र पर यथोचित सम्मान का प्रदर्शन करें। परम योद्धा स्थल में प्रवेश करने से पहले वर्दीधारी कार्मिक सैल्यूट करें।
  - साथ में आए बच्चों का ध्यान रखें।

- **<u>ऐसा न करें</u> :**
  - शोर न मचाएं और ऊंची आवाज में बात न करें।
  - धूम्रपान, शराब और मादक पदार्थों का सेवन निषिद्ध है।
  - कृपया भित्ति चित्रों, आवक्ष प्रतिमाओं और प्रतिष्ठा दीवारों को न छूएं।
  - मोमबत्ती/दिया (लैंप) जलाने की अनुमति नहीं है।
  - खाद्य सामग्री, थैले या सूटकेस न लाएं।
  - कृपया ट्राइपॉडस/व्यावसायिक फोटोग्राफी स्टैंड का प्रयोग न करें।
  - प्रदर्शन करना और दीवारों पर पोस्टर चिपकाना या लिखना (ग्रैफिटी) निषिद्ध है।

- **<u>सामान्य</u> :**
  - यह परिसर वीडियो कैमरे की निगरानी में है। कृपया ऐसा करें और ऐसा न करें वाली बातों का सख्ती से पालन करें।
  - स्मारक में निर्धारित क्षमता से ज्यादा आगंतुक आने पर या औपचारिक कार्यक्रमों के कारण स्मारक में प्रवेश अस्थायी तौर पर प्रतिबंधित किया जा सकता है।
  - स्मृति चिह्नों के लिए 'स्मारिका' बिक्री केंद्र पर जा सकते हैं।

- **<u>दूरी</u>**
  - आई जी आई हवाई अड्डा, पालम - 20 किमी
  - नई दिल्ली रेलवे स्टेशन - 05 किमी
  - आई एस बी टी, कश्मीरी गेट से - 08 किमी
  - आई एस बी टी, आनंद विहार से - 14 किमी

- **<u>नजदीकी मेट्रो स्टेशन</u> :**
  - वायलेट लाइन : खान मार्केट - 02 किमी
    जनपथ - 02 किमी
  - येलो लाइन : उद्योग भवन - 2.5 किमी
    केंद्रीय सचिवालय - 2.5 किमी
  - ब्लू लाइन : मंडी हाउस - 1.5 किमी
    प्रगति मैदान - 2.5 किमी

- **<u>नजदीकी डी टी सी बस स्टॉप</u> :**
  - बड़ौदा हाउस : 800 मीटर

<u>संपर्क करें।</u>

- **<u>पत्राचार का पता</u>**

राष्ट्रीय समर स्मारक एवं संग्रहालय निदेशालय
एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय
सी-हेक्सागन, इंडिया गेट
नई दिल्ली-110001

- **<u>सहायता केंद्र का संपर्क नंबर</u>** : सुबह 09 बजे से शाम 05 बजे तक (आईएसटी)
  - लैंडलाइन : +91 011-23388553
  - मोबाइल नंबर : +91 74287 80777

- **<u>ई-मेल</u>** : <u>coreteam.nwmm-mod@gov.in</u>
- **<u>वेब पता</u>** : <u>www.nationalwarmemorial.gov.in</u>
- **<u>राष्ट्रीय समर स्मारक एप्लीकेशन</u>** : गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें।